


दिल्ली राजपत्र
Delhi Gazette
असाधारण

EXTRAORDINARY

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 210]

दिल्ली, बृहस्पतिवार, जून 1, 2017/ज्येष्ठ 11, 1939

[रा.रा.ग.क्षे.दि. सं. 88

No. 210]

DELHI, THURSDAY, JUNE 1, 2017/JYAISTHA 11, 1939

[N.C.T.D. No. 88

भाग—IV

PART—IV

राष्ट्रीय राजधानी राज्य क्षेत्र दिल्ली सरकार

GOVERNMENT OF THE NATIONAL CAPITAL TERRITORY OF DELHI

दिल्ली उच्च न्यायालय : नई दिल्ली

अधिसूचना

दिल्ली, 30 मई, 2017

सं. 366/नियम/डीएचसी.—भारतीय संविधान के अनुच्छेद 229 द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस निमित्त समर्थ बनाने वाले अन्य समस्त उपबंधों का प्रयोग करते हुए दिनांक, 12.04.2017 को हुए दिल्ली उच्च न्यायालय के पूर्ण न्यायालय के संकल्प के अनुसरण में माननीय मुख्य न्यायाधीश उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीशों तथा पूर्व न्यायाधीशों को घरेलू सहायक देने हेतु निम्नलिखित नियम सहर्ष बनाती हैं:

**दिल्ली उच्च न्यायालय पूर्व मुख्य न्यायाधीशगण तथा पूर्व न्यायाधीशगण हेतु
घरेलू सहायक नियम, 2017**

1. (i) ये नियम दिल्ली उच्च न्यायालय पूर्व मुख्य न्यायाधीशगण तथा पूर्व न्यायाधीशगण हेतु घरेलू सहायक नियम, 2017' कहलायेंगे।
(ii) ये नियम दिनांक 22 व 23 अप्रैल, 2016 को हुई मुख्य न्यायाधीश सभा, 2016 में स्वीकार किये गए संकल्प सं. 19 दिनांक 23.04.2016 के अनुसरण में बनाए गए हैं।
2. ये नियम दिनांक 15.04.2017 से प्रवृत्त होंगे।
3. प्रयोज्यता
ये नियम ऐसे व्यक्ति पर लागू होंगे जिन्होंने या तो उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश या न्यायाधीश के रूप में कार्य किया हो।

4. परिभाषाएं

- (i) उच्च न्यायालय से तात्पर्य नई दिल्ली स्थित दिल्ली उच्च न्यायालय से है।
- (ii) पूर्व मुख्य न्यायाधीश से तात्पर्य ऐसे व्यक्ति जिन्होंने उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश का कार्यभार संभाला हो से है;
- (iii) पूर्व न्यायाधीश से तात्पर्य ऐसे व्यक्ति जिन्होंने उच्च न्यायालय के न्यायाधीश का कार्यभार संभाला हो से है;
- (iv) जीवन साथी से तात्पर्य पूर्व मुख्य न्यायाधीश या पूर्व न्यायाधीश की सेवाकाल के दौरान अथवा इसके उपरान्त मृत्यु के पश्चात जीवित पत्नी या पति, जैसा भी मामला हो से है;
- (v) घरेलू सहायक से तात्पर्य उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश अथवा पूर्व न्यायाधीश अथवा उनके जीवनसाथी को उच्च न्यायालय के खर्च पर दी जाने वाली सहायक की सुविधा से है।

5. योग्यता

उच्च न्यायालय के कोई पूर्व मुख्य न्यायाधीश या पूर्व न्यायाधीश घरेलू सहायक की सेवा प्राप्त करने के हकदार होंगे: यदि;

- (क) पूर्व मुख्य न्यायाधीश या पूर्व न्यायाधीश, जैसा भी मामला हो, को किसी अन्य उच्च न्यायालय द्वारा किन्हीं अन्य नियमों के अंतर्गत घरेलू सहायक की सुविधा प्रदान न की जा रही हो; एवं
- (ख) उस कार्यालय में या पद, जिस पर पूर्व मुख्य न्यायाधीश या पूर्व न्यायाधीश की सेवानिवृत्ति के पश्चात नियुक्ति हुई हो, पर घरेलू सहायक की कोई सुविधा न हो।

6. घरेलू सहायक का चयन

पूर्व मुख्य न्यायाधीश या पूर्व न्यायाधीश, जैसा भी मामला हो, अपने विवेक से घरेलू सहायक के रूप में नियुक्ति हेतु किसी व्यक्ति को चुनेंगे; या विकल्प के रूप में, पूर्व मुख्य न्यायाधीश या पूर्व न्यायाधीश, इन नियमों के अनुपालन में, मुख्य न्यायाधीश से उच्च न्यायालय की स्थापना के किसी कर्मचारी को पूर्व मुख्य न्यायाधीश या पूर्व न्यायाधीश के साथ कार्य करने हेतु प्रतिनियुक्त करने का अनुरोध करेंगे तथा मुख्य न्यायाधीश ऐसे अनुरोध के अनुसार उच्च न्यायालय की स्थापना के कर्मचारी को पूर्व मुख्य न्यायाधीश या पूर्व न्यायाधीश के साथ कार्य करने हेतु प्रतिनियुक्त करेंगे।

7. संविदात्मक नियुक्ति

नियम 6 के अंतर्गत घरेलू सहायक की नियुक्ति संविदा के आधार पर होगी तथा तब तक उपलब्ध होगी जब तक कि पूर्व मुख्य न्यायाधीश या पूर्व न्यायाधीश नियम 5 के अंतर्गत सुविधा का लाभ प्राप्त करने के अधिकारी हैं तथा जब तक घरेलू सहायक पूर्व मुख्य न्यायाधीश या पूर्व न्यायाधीश के प्रमाणन के अध्यधीन संतोषजनक कार्य करता है। उच्च न्यायालय द्वारा इन नियमों के अंतर्गत नियोजित घरेलू सहायक उच्च न्यायालय के संविदात्मक नियोजन पर होगा।

8. प्रतिपूर्ति

पूर्व मुख्य न्यायाधीश या पूर्व न्यायाधीश के द्वारा घरेलू सहायक की नियुक्ति की दशा में, एवं यदि ऐसा घरेलू सहायक उच्च न्यायालय का संविदात्मक कर्मचारी नहीं है तो ऐसी नियुक्ति पर घरेलू सहायक को देय मासिक वेतन की प्रतिपूर्ति पूर्व मुख्य न्यायाधीश या पूर्व न्यायाधीश, जैसा भी मामला हो, को प्रत्येक माह के अंत में उच्च न्यायालय द्वारा की जाएगी।

9. वेतन

उच्च न्यायालय द्वारा घरेलू सहायक को दिया जाने वाला वेतन या उच्च न्यायालय द्वारा घरेलू सहायक की नियुक्ति हेतु पूर्व मुख्य न्यायाधीश या पूर्व न्यायाधीश को प्रतिपूरित किया जाने वाला वेतन चपरासी की श्रेणी में उच्च

न्यायालय के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी या समतुल्य के न्यूनतम वेतनमान (अर्थात मूल वेतन एवं महंगाई भत्ता) में देय वेतन एवं वार्षिक वेतन वृद्धि, जैसी भी तागू हो, के समतुल्य होगा।

10. पूर्व मुख्य न्यायाधीश या पूर्व न्यायाधीश, जैसा भी मामला हो, एक या अधिक घरेलू सहायक की सेवाएं ले सकते हैं किन्तु उच्च न्यायालय नियम 9 में विहित दर के अनुसार केवल एक घरेलू सहायक के समतुल्य वेतन का भुगतान/प्रतिपूर्ति करेगा।

11. निरंतरता

पूर्व मुख्य न्यायाधीश या पूर्व न्यायाधीश द्वारा नियुक्त घरेलू सहायक तब तक संविदात्मक आधार पर कार्य करता रहेगा जब तक वह संतोषजनक सेवाएं देता/देती है, जो पूर्व मुख्य न्यायाधीश या पूर्व न्यायाधीश, जैसा भी मामला हो, द्वारा प्रमाणित किया गया हो।

12. जीवन साथी

उपरोक्त प्रावधानों के अंतर्गत उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश या पूर्व न्यायाधीश को दी जाने वाली सुविधाएँ पूर्व मुख्य न्यायाधीश या पूर्व न्यायाधीश, जैसा भी मामला हो, के जीवित जीवन साथी को उन्हीं नियम एवं शर्तों पर उनके जीवन पर्यंत प्रदान की जाएँगी।

13. व्याख्या

इन नियमों की व्याख्या से सम्बंधित उत्पन्न किसी प्रश्न या विवाद की दशा में उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश उस सम्बन्ध में निर्णय लेने हेतु समर्थ होंगे एवं वह निर्णय पूर्णतः अंतिम एवं बाध्यकारी होगा।

आदेशानुसार,

हा/-

दिनेश कुमार शर्मा, महानिबंधक

HIGH COURT OF DELHI: NEW DELHI

NOTIFICATION

Delhi, the 30th May, 2017

No. 366/Rules/DHC.—In exercise of the powers conferred under Article 229 of the Constitution of India and all other provisions enabling it in this behalf, pursuant to the resolution of Full Court of the High Court of Delhi held on 12.04.2017, Hon'ble the Chief Justice has been pleased to frame the following rules for providing a Domestic Help to Former Chief Justices and Former Judges of the High Court:

Domestic Help to Former Chief Justices and Former Judges of the Delhi High Court Rules, 2017

- 1.(i) These Rules shall be called the 'Domestic Help to Former Chief Justices and Former Judges of the Delhi High Court Rules, 2017'.
- (ii) These Rules have been framed pursuant to Resolution No. 19 dated 23.04.2016 adopted in the Chief Justices' Conference, 2016 held on 22nd and 23rd April, 2016.

2. The Rules shall come into force with effect from 15.04.2017.

3. Applicability

The Rules shall apply to a person who has held office either as a Chief Justice or as a Judge of the High Court.

4. Definitions

- (i) High Court means the High Court of Delhi at New Delhi.
- (ii) Former Chief Justice means a person who has held office of the Chief Justice of the High Court;
- (iii) Former Judge means a person who has held office of a Judge of the High Court;
- (iv) Spouse means the wife or, as the case may be, the husband surviving a former Chief Justice or former Judge upon his or her death while in office or after retirement;

(v) Domestic Help means the assistance of a helper to be provided to a former Chief Justice or a former Judge of the High Court, or to his or her spouse at the expense of the High Court.

5. Eligibility

A former Chief Justice or a former Judge of the High Court shall be entitled to avail of the services of a Domestic Help, if:

- (a) The facility of a Domestic Help under any other rules is not being provided to the former Chief Justice or, as the case may be, former Judge by any other High Court; and
- (b) No facility of a Domestic Help is attached to the office or post to which the former Chief Justice or former Judge is appointed after retirement.

6. Selection of Domestic Help

The former Chief Justice or, as the case may be, former Judge may at her or his discretion select a person to be engaged as a Domestic Help; Or, in the alternative, the former Chief Justice or former Judge, subject to compliance of these Rules, may request the Chief Justice to depute an employee from the establishment of the High Court to work with the former Chief Justice or former Judge and the Chief Justice can as per such request depute the employee on the establishment of the High Court to work with the former Chief Justice or former Judge.

7. Contractual appointment

The engagement of a Domestic Help under Rule 6 shall be on a contractual basis and will be available until the former Chief Justice or former Judge is entitled to the benefit of the facility under Rule 5 and until the Domestic Help performs duties satisfactorily subject to the certification of the former Chief Justice or former Judge. The Domestic Help, employed under these Rules by the High Court, will be on contractual employment with the High Court.

8. Reimbursement

In case of appointment of the domestic help by the former Chief Justice or former Judge, and if such domestic help is not a contractual employee of the High Court, then, upon such engagement, the monthly remuneration payable to the Domestic Help shall be reimbursed by the High Court to the former Chief Justice or former Judge, as the case may be, at the end of every month.

9. Wages

The wages which would be payable to the domestic help by the High Court, or to be reimbursed by the High Court to the former Chief Justice or former Judge for the engagement of a Domestic Help, shall be equivalent to the salary payable to a Class-IV employee of the High Court in the grade of a peon or equivalent at the minimum of the scale of pay (i.e., Basic Pay and Dearness Allowance) and yearly increment as applicable.

10. The former Chief Justice or, as the case may be, former Judge may engage the services of one or more Domestic Help, but the High Court shall reimburse/pay wages equivalent only to what is payable for one Domestic Help at the rate prescribed in Rule 9.

11. Continuance

The Domestic Help engaged by a former Chief Justice or former Judge shall continue to remain on a contractual basis so long as he or she renders satisfactory service, as certified by the former Chief Justice or former Judge, as the case may be.

12. Spouses

The facility which is extended under the aforesaid provisions to a former Chief Justice or former Judge of the High Court shall be provided on the same terms and conditions to the surviving spouse of a former Chief Justice or former Judge, as the case may be, during the lifetime of the spouse.

13. Interpretation

In the event of any question or dispute arising in regard to the interpretation of these Rules, the Chief Justice of the High Court shall be competent to take a decision in that regard and which decision shall be final and binding in all respects.

By Order,

Sd/-

DINESH KUMAR SHARMA, Registrar General